17-5-22 आज पजावती पेरा
कुमी पजावती के मुख वाएं
आइए पेखी आज हाथों के
स्थापित हो चुका है अब प्राप्त
परमों करो बट पर आइए
पेखी आज वापी के आगे
किया जाता है पजावती
फिर कुमार बेटर दखाई
के कद को आड मेरे घर
मुझे बाड देखो

[illegible] अधिकारी
[illegible] छ.ग.

Signature Not Verified
Digitally signed by Mukut Singh
Date: 2023.02.16 12:20:54 IST
Reason: SelfAttested